सरकारी भवन जल्द ही सौर ऊर्जा से लैस होंगे

अभियान तेज, प्रणाली के लिए उपयुक्त सरकारी भवनों की पहचान को रिपोर्ट तैयार करेगा यूपीनेडा

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) ने राज्य के सभी जिलों के सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का प्रयास तेज कर दिया है। इन भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के उद्देश्य से यूपीनेडा जिलों में स्थित सरकारी भवनों के बारे में व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करेगा। इसके आधार पर इन भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जाएगा।

यूपीनेडा द्वारा सरकारी भवनों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का काम पहले से चल रहा है लेकिन अब इसे युद्धस्तर पर किए जाने का निर्णय लिया गया है। योजना के मुताबिक उन भवनों की सूची तैयार होगी जो सौर ऊर्जा युक्त किए जाने के लिए चिह्नित हैं अथवा किन्हीं कारणों से काम आगे नहीं बढ़ सका। इसके लिए यूपीनेडा द्वारा सौर ऊर्जा प्रणालियों के लिए उपयुक्त सरकारी भवनों की पहचान करने के साथ ही विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। 25 किलोवाट व उससे ज्यादा क्षमता

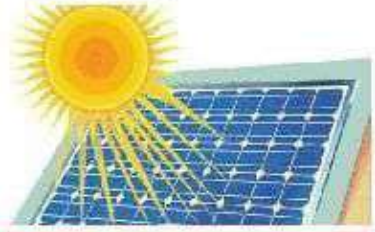

- **काम पहले से चल रहा है लेकिन अब इसे युद्धस्तर पर किए जाने का निर्णय लिया**
- **चिह्नित भवनों में स्थापना कार्य को पूरा करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनेगी**

वाले सभी ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफ टाप इंस्टालेशन वाले सरकारी भवनों का डाटाबेस तैयार किया जाएगा। यह काम जिला मुख्यालय के साथ ही तहसील, ब्लाक तथ ग्राम स्तर तक के सरकारी भवनों पर किया जाएगा। जिन सरकारी भवनों को ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफ टाप इंस्टालेशन के लिए चिह्नित किया जाएगा, उनमें स्थापना कार्य को पूरा करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनेगी।

अस्पतालों, छात्रावासों की रसोई में भोजन की होगी जांच

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: राजधानी के निर्वाण आश्रय केंद्र में फूड प्वाइजनिंग से कुछ बच्चों की मौत और कई बच्चों के बीमार होने के बाद एफएसडीए विभाग हरकत में आया है। विभाग की ओर से राज्य में स्थित सभी सरकारी व गैर सरकारी छात्रावासों व कैंटीन, अस्पतालों, स्पोर्ट्स हास्टल, निजी संस्थानों, आश्रम पद्धति विद्यालयों, नारी निकेतनों, अनाथालयों आदि में परोसे जा रहे भोजन की नियमित जांच करने के आदेश दिए गए हैं। विभागीय अधिकारी नियमित निरीक्षण के साथ ही इन संस्थानों के रसोई घर से परोसे जा रहे भोजन के नमूने भी लेंगे। आयुक्त राजेश कुमार द्वितीय ने इस संबंध में सभी मंडलीय व जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। लखनऊ की घटना का संज्ञान लेते हुए उन्होंने छात्रावासों, कैंटीन, अनाथालयों आदि में परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए समस्त मंडलीय सहायक आयुक्त खाद्य, सहायक आयुक्त खाद्य तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निरीक्षण व जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।